ABSTRACT

साइवर अपराध और समाज

डॉ. एस.एस. ठाकुर
समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग,
बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)
एवं
इम्तियाज खान
समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग,
बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)

सारांश

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गई। इसने हमारे बातचीत करने, मित्र बनाने, अद्यतन जानकारी को साझ करने, गेम्स खेलने, खरीददारी करने इत्यादि के तरीके को बदल दिया प्रौद्योगिकी का हमारे दैनिक जीवन के अधिकांश पहलुओं पर प्रभाव पड़ा है।

हमारी नई पीढ़ी बहुत ही युवा अवस्थामें साइवर स्पेस से रूबरू हो रही है। ज्यादा से ज्यादा बच्चे, युवा, वयस्क अपने दिन-प्रतिदिन की क्रियाओं को ऑन लाइन ही करते हैं। युवाओं का अधिकांश समय सोशल नेटवर्किं, ऑन लाइन शॉपिंग, चेटिंग आदि में व्यतीत होता है। इस ऑन लाइन, साइबर स्पेस ने एक नये समाज को जन्म दिया है जिसे साइबर समाज (अभासी समाज) कहते है। यहाँ पर व्यक्ति भले ही प्रत्यक्ष उपस्थित न हो लेकिन वह अपनी सभक्रिया-प्रतिक्रिया को ऑनलाइन के माध्यम से करता है। इस आभासी समाज की सबसे बड़ी समस्या **साइबर अपराध** है जो इस आभासी समाज में विघटन, विचलन पैदा तो करता है साथ में वास्तविकसमाज में भी समस्याओं को उत्पन्न करता है।

मुख्य शब्द - साइबर सुरक्षा, साइवर अपराध, साइवर स्टाकिंग, आभासी, समाज, वास्तविक समाज

समाज वैज्ञानिकी अक्टूबर-मार्च 2020-21
अंक-33-34, ISSN 0973-4201
भारतीय समाज विज्ञान परिषद्